Title: Demand of assurance from Hon'ble Minister for Parliamentary Affairs for the enhancement of Pay and Allowances of Hon'ble Members of Parliament.

SHRI FRANCISCO SARDINHA (MARMAGOA): Mr. Speaker Sir, representations have been given to you and also the Minister for Parliamentary Affairs regarding enhancement of the pay and allowances of Members of Parliament. You cannot expect Members of Parliament to live on fresh air and water. Even the Class-IV employees receive more payment. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: He is raising an important point.

... (Interruptions)

SHRI FRANCISCO SARDINHA : I would like to know from the Minister for Parliamentary Affairs as to what has happened to the representation given by the hon. MPs. So many MPs have signed and given a representation for the enhancement of their pay and allowances. I would like to have an assurance from the hon. Minister. ... (Interruptions)

श्री राजो सिंह (बेगूसराय): यह क्या हो रहा है? मंत्री जी जवाब क्यों नहीं देते हैं? मेम्बर्स की कोई सुनता नहीं है।

... (व्यवधान)

SHRI FRANCISCO SARDINHA : MLAs of the States are getting more.

MR. SPEAKER: He has raised the issue regarding Members' salaries and allowances. Are you going to speak on the same point?

... (Interruptions)

सभापति महोदय : शून्यकाल के लिए बहुत से माननीय सदस्यों ने नोटिस दिये। ऐसा फैसला हो गया है कि अब शून्यकाल नहीं होगा। अब नियम १९३ के अधीन चर्चा की शुरूआत होगी।

श्री शैलेन्द्र कुमार : एक नंबर पर मेरा नोटिस था। मुझे मौका नहीं मिला।

सभापति महोदय : सोमवार को मिलेगा।

श्री राजो सिंह : जिन सदस्यों को आज शून्यकाल में बोलने का मौका नहीं मिला, क्या वे सोमवार को कंटीन्यू करेंगे?

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : सोमवार के शून्यकाल में आज वाले विषय भी रहेंगे।

... (व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति जी, हम व्यवस्था चाहते हैं। शून्यकाल में नंबर एक पर हमारा नोटिस है और समाजवादी पार्टी से किसी को मौका भी नहीं मिला।

सभापति महोदय : समाजवादी पार्टी के दो माननीय सदस्य एक साथ खड़े हैं तो हम किनको सुनें?

... (व्यवधान)

सभापति महोदय आप दोनों ही समता पार्टी के खड़े हैं। अब आप दोनों माननीय सदस्यों में से किसे सुना जाए। शून्य-काल समाप्त हो गया है। मेरा निवेदन है कि आप बैठ जाएं? आज के शून्य-काल के सारे मामले, शनिवार और रविवार के जो मामले आप उठाना चाहेंगे, उन सबको सोमवार को लिया जाएगा।

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति महोदय, हम आपसे आग्रह करते हैं कि हमारी बात को सोमवार को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए ऐसा आश्वासन आप हमें दें।

सभापति महोदय : हां ठीक है। शांति रखिए और बैठिए।

श्री रामनारायण मीणा (कोटा) : सभापति महोदय, मेरा आग्रह है कि सदन की भावनाओं का आदर करते हुए और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि आज के शून्य-काल में बहुत महत्वपूर्ण मामले हैं, आप इस पर पुनर्विचार करे कि उन मामलों को आज ही सुना जाए।

सभापति महोदय : नहीं, सोमवार को सुनेंगे।

श्री रामनारायण मीणा : ये लोग जो सरकार में बैठे हैं, ये गरीबों को मार रहे हैं और ब्लैक मार्कीटियर्स को मौका दे रहे हैं।

प्रो. जोगेन्द्र कवाडे (चिमूर) : सभापति महोदय, हम आपसे केवल इतना आश्वासन चाहते हैं कि जिनके नाम आज शून्य-काल में हैं उनको सोमवार को पुनः नोटिस देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और आज के नोटिस पर ही सोमवार को उन्हें सुना जाएगा।

सभापति महोदय : नोटिस देने में कौन सा खर्च होता है!

प्रो. जोगेन्द्र कवाडे : सभापति महोदय, खर्च की बात नहीं है। समय लगता है।

सभापति महोदय : माननीय गृह मंत्री, डोडा में हुई हत्याओं के बारे में स्टेटमेंट देना चाहते हैं।